भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-492

28 नवंबर, 2024 को उत्तरार्थ

महाराष्ट्र में कोयला आधारित बिजली संयंत्र

492. डॉ. बच्छाव शोभा दिनेशः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की महाराष्ट्र में कोयला आधारित विद्युत संयंत्र स्थापित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) महाराष्ट्र में 3,300 मेगावाट के डोंडाइचा कोयला आधारित विद्युत संयंत्र परियोजना की स्थापना की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके लिए कितनी धनराशि स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई है, भूमि अधिग्रहण की स्थिति क्या है और इसके पूरा होने की संभावित समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या इस परियोजना की स्थापना में कोई विलंब हुआ है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) सरकार द्वारा परियोजना में हो रही देरी को दूर करने तथा परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ङ) क्या केन्द्र सरकार को विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान महाराष्ट्र राज्य सरकार या किसी संसद सदस्य से इस संबंध में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा केन्द्र सरकार द्वारा इस पर क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) : विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा-7 के अनुसार विद्युत संयंत्रों की स्थापना और विद्युत उत्पादन एक गैर-लाइसेंस गतिविधि है। महाराष्ट्र सरकार का उपक्रम, महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको), वर्तमान में महाराष्ट्र के जलगांव जिले में 1x660 मेगावाट भुसावल ताप विद्युत परियोजना का निर्माण कर रहा है।

इसके अतिरिक्त, महाजेनको ने नागपुर जिले के कोराडी में 2x660 मेगावाट कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र और चंद्रपुर जिले में 1x800 मेगावाट कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र की योजना बनाई है।

(ख) से (घ) : महाजेनको ने महाराष्ट्र के धुले जिले के डोंडाइचा में 3300 मेगावाट (5x660 मेगावाट) का कोयला आधारित विद्युत संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था। तथापि, शेष भूमि अधिग्रहण के लिए स्थानीय प्रतिरोध के कारण परियोजना को रद्द कर दिया गया था और परियोजना के लिए आबंटित कोयला खदानों को रद्द कर दिया गया। परियोजना के लिए कुल 540.05 हेक्टेयर भूमि (निजी और सरकारी) अधिग्रहित की गई है। चूंकि परियोजना रद्द हो गयी, इसके कार्यान्वयन के लिए कोई निधि संस्वीकृत नहीं की गई।

(ङ) से (च) : पिछले पाँच वर्ष तथा वर्तमान वर्ष के दौरान भारत सरकार को डाँडाइचा में 3300 मेगावाट (5x660 मेगावाट) कोल फायर्ड विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

****